हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 13 मई 2025

11 श्रीमद्भागवत कथा में सुनाई श्रीकृष्ण की बाल लीला

12 पाली के युवाओं को मिलेगी फ्री कोचिंग, खेलों पर रहेगा फोकस

सेना के रिटायर्ड कैप्टन की लाठी और डंडों से पीट पीटकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

मूलोदी गांव में चुनावी रंजिश के चलते भारतीय सेना के रिटायर्ड कैप्टन की सिर पर लाठी मारकर हत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। वारदात को अंजाम देने के बाद चारों आरोपित बुलेरो में बैठकर फरार हो गए है, दूसरी तरफ मृतक के पुत्र रामपाल ने गांव के सरपंच प्रवीण कुमार व अन्य नामजद युवकों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया तथा पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

पुलिस को दी शिकायत में मृतक के पुत्र रामपाल ने बताया कि सरपंच प्रवीण कुमार विधानसभा चुनावों से ही रंजिश रख रहा है, क्योंकि हमारे परिवार ने उसकी मर्जी से मतदान नहीं किया था, तभी से वह परिणाम भुगतने की धमकी देता रहा है। रविवार की रात परिजन मकान का दरवाजा बंद करके सो रहे थे, इसी दौरान करीब 11:30 बजे चार आरोपित दीवार फांदकर घर में घुस गए। जिनमें गांव का सरपंच प्रवीण कुमार, राकेश कुमार, अरुण कुमार तथा चार पांच अन्य युवक थे। सभी आरोपी अपने हाथों में लाठी डंडें लिए हुए थे।

चुनावी रंजिश में आरोपियों ने दिया घटना को अंजाम, आरोपियों ने कैप्टन की पत्नी और मां पर भी किया हमला

घुसते ही हमला

घर में प्रवेश करते ही कै. रामसिंह पर हमला बोल दिया। विरोध करने पर सरपंच ने सिर में लाठी मार दी। जिससे रामसिंह बेहोश होकर जमीन में गिर गया।

सरपंच का मिला पैन कार्ड

हमलावरों ने राकेश कुमार ने हाथ पर व अरुण कुमार ने कमर और सिर में लाठी मारी है। सिर फटने तथा अधिक रक्तस्राव होने के कारण रामसिंह ने मौके पर दम तोड़ दिया। शौर शराबा सुनकर मृतक की पत्नी व पुत्रवधू भी वारदात स्थल पर पहुंच गई तथा आरोपितों को काबू करने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने महिलाओं पर भी लाठियों से हमला तथा धक्का मुक्की करके मकान से बाहर निकल गए। हाथापाई के दौरान आरोपित सरपंच का पैनकार्ड, आधारकार्ड तथा अन्य कागज भी घटना स्थल पर गिर गए।

बुलेरो में आए आरोपी, दीवार फांदकर घर में घुसे

सरपंच सहित तीन नामजद, दूसरे पक्ष ने भी थाने में दी शिकायत

घटना के बाद परिजनों ने 112 पर डायल करके पुलिस को वारदात की सूचना दी। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का जायजा लिया। घटना स्थल पर पड़े विभिन्न दस्तावेजों को कब्जे में लेकर पूछताछ करना शुरू किया है। मृतक के पुत्र ने आरोपितों पर राजनीतिक पहुंच की ताकत से खामियाजा भुगतने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने सरपंच सहित तीन को नामजद कर पांच अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। फिलहाल किसी आरोपी की सूचना नहीं है। मामला पुलिस के पास पहुंचने के बाद दूसरे पक्ष ने भी थाने में शिकायत की। घटना से गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है तथा कोई खुलकर कुछ कहने को तैयार नहीं है।

आरोपियों की तलाश जारी

थाना इंचार्ज छत्रपाल चौधरी ने बताया कि मूलोदी में रिटायर्ड कैप्टन की हत्या हो गई। मृतक के पुत्र रामपाल ने सरपंच प्रवीण कुमार, राकेश कुमार, अरुण कुमार व चार पांच अन्य युवकों पर हत्या की शिकायत दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। दूसरे पक्ष की भी शिकायत मिली है। जांच के बाद कार्रवाई होगी।

खबर संक्षेप

आज नारनौल में लगेगी बिजली अदालत

नारनौल। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष बिजली अदालत का आयोजन करने जा रहा है। यह अदालत 13 मई मंगलवार को नारनौल में सिंघाना रोड स्थित सर्कल कार्यालय में आयोजित की जाएगी। एसई जोगेंद्र हुड्डा ने बताया कि सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक संचालित की जाएगी।

श्रीराम वन गमन यात्रा मार्ग से कार्यक्रम 18 को

नारनौल। भगवान श्रीराम की वन गमन यात्रा मार्ग के संबंध में कार्यक्रम का आयोजन 18 मई दोपहर 12:15 बजे तालाब बहादुर सिंह मार्ग पर स्थित सीताराम मैरिज पैलेस में किया जाएगा। प्रधान राकेश महता एडवोकेट ने बताया कि कार्यक्रम में भगवान श्रीराम की वन गमन यात्रा के स्थानों की जानकारी वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर आमजन को देने के लिए के लिए कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

बिलिंग से संबंधित सुनवाई कल को

महेंद्रगढ़। बिजली निगम कार्यालय में बुधवार को कार्यकारी अभियंता आफिस में 50 हजार रुपये तक के बिलिंग से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की जाएगी। यह सुनवाई चेयरमैन कम डिविजनल फोरम कार्यकारी अभियंता के द्वारा की जाएगी, किसी भी आमजन द्वारा यह अपील कार्यालय आफिस में एक प्रार्थना पत्र और बिल की कॉपी लगाकर यह अपील कर सकता है।

सिलारपुर में शनिदेव का जागरण 14 को

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव सिलारपुर में शनिदेव का जागरण 14 मई एवं भंडारा 15 मई को आयोजित किया जा रहा है, जिसमें मुख्य अतिथि हरियाणा रत्न वेदप्रकाश मोलाहेड़ा रहेंगे। जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि गांव में शनि देव का जागरण एवं भंडारा लगाया जा रहा है, जिसमें नरदेव बेनीवाल एंड पार्टी के साथ मंजू तंवर, मनोज चौधरी, सोनू शर्मा, सतपाल नांदला बाबा के भजनों का गुणगान करेंगी।

प्रदेश सरकार ने आबकारी नीति में किया बदलाव

अबकी बार 21 महीने 19 दिन के लिए छोड़े जाएंगे नए शराब ठेके

नए नियमों में बढ़ाई सख्ती मंदिरों व स्कूलों से 75 नहीं, 150 मीटर दूरी पर ही खुल सकेंगे ठेके, कोरोनाकला में बिगड़ा था विभाग का शेड्यूल अबकी बार किया जा रहा सुधार

राजकुमार ⏭ नारनौल

यह बोले अधिकारी

सरकार ने नई आबकारी नीति जारी कर दी है। अब इसे लागू करवाया जा रहा है। नए ठेके नई आबकारी नीति के अनुसार ही क्रियान्वित किए जाएंगे। महेंद्रगढ़ जिले में 29 जोन बने हुए हैं, जिनकी ऑनलाइन नीलामी की जाएगी। नया नीलामी शेड्यूल आने का इंतजार है।

-अनिल शर्मा, डीईटीसी, आबकारी विभाग, नारनौल।

कोरोना के कारण वित्त वर्ष के बिगड़े शेड्यूल को आबकारी (शराब बिक्री) विभाग अबकी बार सुधारने को तैयार है। नई पॉलिसी के मुताबिक अबकी बार आबकारी विभाग शराब के ठेकों की नीलामी एक साल नहीं, बल्कि 21 महीने 19 दिन के लिए करेगा। यानि अब जो भी ठेकेदार नए ठेके लेगा, वह उन्हें लगभग दो साल ठेके चलाएगा। नई आबकारी नीति में सरकार ने अनेक नए नियम भी लागू कर दिए हैं और अधिक राजस्व जुटाने की नीति के तहत शराब के दाम बढ़ने की पूरी संभावना रहेगी।

उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी के कारण सरकार का वित्त वर्ष का शेड्यूल बिगड़ गया था। इसका असर आबकारी विभाग पर भी पड़ा था, क्योंकि कोरोना महामारी के कारण 22 मार्च 2020 से देशभर में पहली बार लॉकडाउन शुरू हुआ था। लॉकडाउन के कारण मार्केट समेत शराब के ठेके भी बंद रहे थे। यह लॉकडाउन अलग टुकड़ों में कई बार लगा था, जिस कारण आबकारी विभाग का वित्त वर्ष यानि एक साल का पीरियड जो एक अप्रैल से 31 मार्च तक माना गया है।

पांच साल बाद बदला

वह गड़बड़ा गया था और इस कारण 12 जून से शराब के ठेकों को नवीनीकरण किया जाने लगा था, लेकिन अब करीब पांच साल बाद इसे दुरुस्त किया जाएगा और अबकी बार एक साल नहीं, बल्कि 21 महीने 19 दिन के लिए शराब के ठेके नीलामी पर दिए जाएंगे। यानि नए ठेके 12 जून 2025 से शुरू होकर 31 मार्च 2027 तक निरंतर एक ही ठेकेदार के पास चलेंगे। यह नीलामी ऑनलाइन होगी और ठेकेदार को बिड लगानी होगी। जो व्यक्ति जितनी ज्यादा कीमत की बिड लगाएगा, उसके अनुसार अधिकत्तम राशि की बिड लगाने पर दुकान उसे अलॉट कर दी जाएगी।

जिले की स्थिति

महेंद्रगढ़ जिले को आबकारी विभाग ने 29 जोन में बांटा हुआ है और इसमें करीब 58 वेंड बनाए हुए हैं। दो मेन वेंड रहेंगे, बाकि सब वेंड भी रहेंगे, जो एरिया अनुसार ठेकेदार अनुमति लेकर बढ़ा भी सकेंगे।

इन गांवों में ठेके होंगे बंद

कई गांवों में शराब की बिक्री को बुरा माना जाता है और वह इसका विरोध करने लगते हैं। इसकी वजह से आबकारी विभाग वहां से शराब का ठेका हटा देता है। बशर्ते उस गांव में एक भी अवैध शराब बिक्री का एक भी पुलिस केस न बना हो। अबकी बार गांव अमरपुर जोरासी, मंडलाना, बास किरारोद एवं सिलारपुर मेहता में शराब के ठेके नहीं खोले जाएंगे।

यहां से भी आए प्रस्ताव

आबकारी विभाग नारनौल के पास अमरपुर जोरासी, सिलारपुर मेहता, मंडलाना, बास किरारोद उमराबाद, तलवाना, ऊंची भांडोर और मुकुंदपुरा गांवों की पंचायतों ने भी शराब का ठेका नहीं खोले जाने के प्रस्ताव पहुंचे थे।

अबकी बार बनाए हैं कुछ सख्त नियम

नई आबकारी नीति में नए नियम कुछ सख्त किए गए हैं। नये नियमों के अनुसार पहले जहां बस अड्डों, स्कूल, कॉलेज और धार्मिक स्थलों आदि से 75 मीटर की दूरी पर शराब के ठेके खोल दिए जाते थे, वहीं अबकी बार यह नियम बदलकर 150 मीटर दूरी कर दी गई है। इसी प्रकार स्टेट हाइवे एवं नेशनल हाइवे से ठेके सीधे नजर नहीं आएंगे और न ही इनके साइन बोर्ड नजर आएंगे। इनकी दूरी भी बढ़ा दी गई है। इन्हें ऐसी जगह पर बनाना होगा, जहां से सीधे तौर पर नजर न आएं। 500 से कम आबादी वाले गांव में शराब का ठेका नहीं खुलेगा। नई नीति के तहत सभी लाइसेंस प्राप्त खुदरा विक्रेताओं और उप-विक्रेताओं को अपने साइनबोर्ड पर स्पष्ट रूप से "शराब का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है" और "शराब पीकर गाड़ी न चलाएं" जैसी चेतावनियां प्रदर्शित करनी होंगी। नई आबकारी नीति में शराब के विज्ञापन पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। यदि नए नियमों का उल्लंघन किया जाता है, तो एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। दूसरी बार उल्लंघन करने पर जुर्माना बढ़कर तीन लाख रुपये हो जाएगा। तीसरी बार हिंसा करने पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। शराबखानों यानि अहातों का संचालन केवल विभाग द्वारा अनुमोदित बंद परिसर में ही किया जाएगा और यह राहगीरों को दिखाई नहीं देना चाहिए। शराबखानों में लाइव गायन, नृत्य और नाटकीय प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा। नई आबकारी नीति के तहत वित्त वर्ष 2025–26 के लिए सरकार ने 14 हजार 64 करोड़ रुपये के राजस्व अर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। ऐसे में शराब के रेट बढ़ने तय हैं। नए अहाते खोलने के लिए सरकार ने शुल्क राशि बढ़ा दी है। विक्रय केंद्रों पर 'शराब पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है' तथा 'शराब पीकर वाहन न चलाएं' जैसी वैधानिक चेतावनी के बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाने होंगे।

नारनौल। पिस्तौल दिखाता आरोपित विक्रम छिलरो कैमरा में कैद।

पहले तानी पिस्तौल, फिर कहा इतनी गोलियां भर दूंगा.., केस

घटना सीसीटीवी में कैद, विक्रम छिलरो व चिराग शर्मा पर आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- सरेआम दिनदहाड़े दुकान में घुसकर कारिंदे के सामने तानी गई पिस्तौल, घटना से दुकानदारों में हड़कंप।
- रविवार शाम 5 .20 पर निजामपुर रोड के एक हैब पर दिया वारदात को अंजाम।

हद है। शहर में सरेआम दिन दहाड़े दुकान में घुसकर कारिंदे के सामने पिस्तौल तान दी गई। यहीं नहीं आरोप यह भी है कि गाली गलौच करते हुए शरीर के पिछले हिस्से का जिक्र करते हुए इतनी गोलियां भर देगा और गोली मार पर सिर उड़ा देने की बात कही। यह वारदात दुकान में लगे सीसी टीवी कैमरा में कैद हो गई। दुकान मालिक ने सीसी टीवी फुटेज के साथ सिटी पुलिस को शिकायत दी। सिटी पुलिस ने आरोपित विक्रम छिलरो व चिराग शर्मा के खिलाफ बीएनएस की धारा 351(2),3(5) व आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत केस दर्ज किया है।

शहर के मौहल्ला मिश्रवाड़ा वासी अनुराग मान ने सिटी थाना में शिकायत दी है। शिकायतकर्ता ने बताया है कि उसने स्पलीमेंट हब नाम से एक दुकान निजामपुर रोड पर की हुई है। रविवार शाम पांच बजकर 20 मिनट पर विक्रम छिलरो आया और आते ही दुकान पर काम करने वाले लड़के देवेंद्र वासी चांदुवाड़ा के साथ गाली गलोच करने लगा। पिस्तौल तान कर बोला इतनी गोलियां भर दूंगा और गोली मार पर सिर उड़ा दूंगा। इसने कुल दो बार पिस्तौल ताली व दुकान पर मौजूद भूपसिंह ने उससे देवेंद्र को छुड़वाया। उस समय उसके साथ दो व्यक्ति ओर थे, जिनमें से एक चिराग शर्मा है व दूसरे को नहीं जानते। मामले की फुटेज पुलिस को दे दी है। उस व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर जान माल की रक्षा की जाए।

श्री गौड़ ब्राह्मण सभा की बैठक, त्रिवार्षिक चुनाव पर किया मंथन, मतदाता सूची तैयार, जल्द होगा प्रकाशन

नारनौल। श्री गौड़ ब्राह्मण सभा के त्रिवार्षिक चुनाव हेतु मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन जल्द ही कर दिया जाएगा। यह जानकारी देते हुए चुनाव मतदाता सूची समिति के अध्यक्ष गोविंद भारद्वाज ने बताया कि सोमवार को चुनाव समिति की बैठक हुई। जिसमें विजय गौस्वामी, संजय कौशिक, कृष्ण कुमार शर्मा एडवोकेट व राकेश कौशिक एडवोकेट उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि यह समिति श्री गौड़ ब्राह्मण सभा के त्रिवार्षिक चुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार कर रही है। मतदाता सूची में नए बने आजीवन सदस्यों का समावेश करके भौगोलिक स्थिति के अनुसार वार्ड बन्दी की जा रही है। भारद्वाज ने बताया कि मतदाता सूची जल्द ही तैयार करके जिला रजिस्ट्रार फर्म एवं सोसायटी को प्रेषित कर दी जाएगी। इसकी एक प्रति सभा के नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा कर दी जाएगी।

हमले के दो आरोपी काबू, चाकू व डंडा बरामद

- थनवाल पुल के पास तीन ने किया था हमला।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

आपसी रंजिश के चलते लाठी डंडों व चाकू से हमला करने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना नांगल चौधरी पुलिस ने दो आरोपित सचिन व मोनू वासी थनवास को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया था। रिमांड के दौरान पूछताछ में पुलिस ने एक चाकू व एक लाठी बरामद की है। जांच में पुलिस ने पता लगाया कि आपसी रंजिश के चलते आरोपितों ने वारदात को अंजाम दिया था। कोर्ट ने आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। शिकायतकर्ता लालाराम निवासी ढाणी सैनियां की थनवास ने थाना नांगल चौधरी में दी शिकायत में बताया कि उसका भाई रामस्वरूप समय करीब रात 10:30 बजे खाना खाकर बाहर गया था, बस स्टैंड थनवास पुल के पास उसके गांव के तीन लड़कों ने मिलकर उसके भाई रामस्वरूप पर लाठी डंडों व चाक़ू से हमला कर दिया। जिससे उसके भाई को काफी चोटे लगी। भाई को जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गए। जब उसका भाई घर पर नहीं आया तो वह देखने के लिए बाहर गया, तो उसने देखा कि भाई बस स्टैंड पुल के पास लहूलुहान होकर पड़ा था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी थी।

सीआईए ने अवैध हथियार के साथ आरोपी पकड़ा

नारनौल। सीआईए ने थाना नांगल चौधरी क्षेत्र से अवैध हथियार रखने के मामले में गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित अमित उर्फ बिजेन्द्र वासी बूढ़वाल नांगल चौधरी को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित से पुलिस ने एक अवैध देसी कट्टा व एक जिन्दा कारतूस बरामद किया है। आरोपित के खिलाफ थाना नांगल चौधरी में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

शिविर शिकायतों के निपटारे के सही प्लेटफार्म

- समाधान शिविर में आई 34 शिकायतें, डीसी ने की सुनवाई।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर लगाए जा रहे समाधान शिविर की कड़ी में सोमवार को लघु सचिवालय में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। इस अवसर पर 34 नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखी। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद थी। डीसी ने कहा कि समाधान शिविर आमजन के लिए अपनी समस्याओं का निराकरण करने के लिए एक बहुत अच्छा प्लेटफार्म है। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि समाधान शिविर का उद्देश्य जिला प्रशासन व आमजन के बीच और बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए काम करना है। इस शिविर के माध्यम से नागरिकों को एक ही जगह पर अपनी समस्याएं बताने का अवसर मिलता है, जिससे उनका समाधान हो सके।

उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनने के बाद उनका समाधान करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाती है। यह समाधान शिविर प्रत्येक सोमवार व वीरवार को जिला स्तर तथा उपमंडल स्तर पर सुबह 10 से 12 बजे तक लगाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह शिविर आमजन के लिए एक बहुत बड़ा सहारा है, जिससे वे अपनी समस्याओं का समाधान करवा सकते हैं। डीसी ने कहा कि हरियाणा सरकार की यह पहल बहुत ही सराहनीय है। जिससे नागरिकों की बहुत बड़ी सेवा हो रही है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर के माध्यम से नागरिकों को अपनी समस्याओं का समाधान करने में मदद मिल रही है। उपायुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि वे समाधान शिविर का लाभ उठाएं और अपनी समस्याएं बताएं। इस बैठक में नगराधीश मंजीत कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

पुलिस ने चलाया सीलिंग प्लान, वाहनों की जांच

136 के काटे चालान, 9 किए इंपाउंड

- पुलिस की अपराधियों को आपात स्थिति में पकड़ने की कवायद।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पुलिस ने जिलेभर में एक विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना, संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाना व यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना था। इस दौरान 136 वाहनों के चालान भी काटे और नौ वाहनों को इंपाउंड भी किया गया। पुलिस टीमों ने विभिन्न नाकों पर बैरिकेड लगाकर वाहनों की गहनता से जांच की। इस दौरान दोपहिया वाहन, चार पहिया वाहन और अन्य प्रकार के वाहनों को रोककर ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट व बीमा आदि की जांच की गई। साथ ही वाहनों में संदिग्ध वस्तुओं की तलाश भी की गई।

नारनौल। वाहन की चेकिंग करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

इस विशेष चेकिंग अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कई वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इनमें बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के वाहन चलाने, बिना नंबर प्लेट वाहन चलाने, बिना वैध कागजात के वाहन चलाने और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले शामिल थे। पुलिस ने मौके पर ही चालान काटे और कुछ मामलों में वाहनों को जब्त भी किया। पुलिस ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने, अपराध को अंजाम देकर भागने वाले अपराधी को पकड़ने व अपराधों की रोकथाम हेतु तुरंत कार्रवाई के लिए सीलिंग प्लान के तहत जिले विभिन्न स्थानों पर नाके लगाकर चेकिंग की। सीलिंग प्लान के तहत पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्र में अलग अलग स्थानों पर वाहनों को चेक किया।

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

रोहतक, मंगलवार 13 मई 2025

हरिभूमि सहेली

विशेष
अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस, 15 मई

परिवार से दूर रहकर सुखी जीवन की चाहत रखना एक बहुत बड़ी भूल है। परिवार वो छाया है, जो संकट की तपती धूप में हमें शीतलता देता है, हमारा संबल बनता है। इसलिए जरूरी है हम हमेशा पारिवारिक मूल्यों को बनाए रखें। परिवार के लोग प्रेम-स्नेह से बंधे रहें।

परिवार का प्रेम-स्नेह जीवन का है आधार

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

परिवार को जीवन की पहली पाठशाला कहा जाता है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आ रही यह मान्यता हर इंसान को मानवीय मूल्यों से जोड़कर रखती है। विचार-व्यवहार के मोर्चे पर जीवन को साधने का पाठ पढ़ाती है। अपनों के साथ संबल का ठिकाना कहे जाने वाले परिवार में ही तो एक छत के नीचे रहकर सुख-दुख साझा किया जाता है। हर उतार-चढ़ाव में जिंदगी से जुड़े रहने की हिम्मत बनी रहती है। परिवार, समाज की सबसे छोटी इकाई है जरूर, लेकिन समाज की बुनियाद को मजबूती देने में इस इकाई के मायने बहुत अहम हैं। समाज को बनाने और बनाए रखने में परिवार की अहमियत हमेशा से रही है, लेकिन अब परिवार के मूल स्वरूप में बिखराव साफ दिखने लगा है। यही वजह है कि हर साल घर-आंगन से जुड़े बहुत से विषयों पर विमर्श के लिए अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। परिवार दिवस को पारिवारिक ताना-बाना सहेजने की कोशिश के रूप में देखा जाता है।

मानवीय समझ को पोषण

पारिवारिक खुशहाली का समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण रोल होता है। दुनिया के हर हिस्से में परिवार ही समाज के भावी नागरिक को इंसानियत का पाठ पढ़ाता है। बुजुर्गों को स्नेह-सुरक्षा का साया मिलता है। युवा परिवार में सही मार्गदर्शन पाते हैं। रिश्तों के ताने-बाने का यह बंधन हर उम्र के लोगों को कुछ न कुछ देता ही है। यों भी जिंदगी का हर सबक अपने परिवार में ही सीखा जाता है। अपने आंगन में मिली सीख से ही आगे चलकर नई पीढ़ी का व्यक्तित्व पूर्णता पाता है। परिवार ही बड़ों की संभाल और देखभाल का आधार बनता है। हमारे फैमिली सिस्टम में मौजूद यह आपसी जुड़ाव, जो मजबूत पृष्ठभूमि बनाता है, वह हर परिस्थिति में मन-जीवन को थामती है। पारिवारिक व्यवस्था सही मायने में हमारे जीवन का आधार स्तंभ है। परिवार में साथ-साथ रहना, सुख-दुख साझा करने की सोच, अपनेपन के भाव हमें आपस में दिल से जोड़े रखते हैं। हर तरह से एक-दूसरे के साथ समन्वय और सहयोग भरा भाव ही पारिवारिक संबंधों का संबल है। परिवार में खुशियों और जिम्मेदारियों का एक अनोखा मेल होता है, जो सभी को आपस में बांधे रहता है। यही बंधन हमें अच्छे-बुरे वक्त में थामने का काम करते हैं। बड़ों को मान और बच्चों को मनुहार परिवार में ही मिल सकती है। हमारे यहां हर तबके के परिवारों में यही स्नेहपूरित सोच रही है। जीवन को साधने-समझने वाले हर मानवीय भाव-चाव को परिवार ही पोसता आया है।

बिखरता ताना-बाना सहेजने के प्रयास

हालिया वर्षों में टूटते-बिखरते परिवारों का बढ़ता आंकड़ा चिंता का विषय बन गया है। दुनिया के हर समाज में परिवार के महत्व को रेखांकित किए जाने के बावजूद पारिवारिक ढांचा बिखर रहा है। कहीं बच्चे अकेले छूट रहे हैं तो कहीं बुजुर्ग स्नेह-साथ को तरस रहे हैं। बहुत से युवा शादी कर परिवार बसाना ही नहीं चाहते तो कई कपल्स शादी के बाद अपने रिश्ते को बिखरने से नहीं बचा पा रहे हैं। दुनिया भर में पारिवारिक सुदृढ़ता के लिए सराहे जाने वाले हमारे देश में भी अब तलाक के मामले बढ़े हैं। अपनों के साथ ही बर्बरता करने के मामले भी आए दिन सामने आते हैं। बदलती लाइफस्टाइल के चलते परिवार छोटे होते जा रहे हैं। जीवन की आपा-धापी में इतना कुछ नया जुड़ रहा है कि परिवार और अपने ही पीछे छूट रहे हैं। पारिवारिक कलह के चलते लोग अपनों की जान लेने से भी नहीं चूक रहे। भावनाओं भरे जुड़ाव पर स्वार्थी सोच हावी हो रही है। वर्चुअल दुनिया में अंजान चेहरों से जुड़ने के इस दौर में अपनों की उपेक्षा की संस्कृति पनप रही है। यही वजह है कि पारिवारिक मूल्यों को सहेजने के लिए कोशिशें जरूरी हैं। बदलते हालातों से जुड़ी सजगता लाने, परिवार के प्रति लोगों में लगाव को बढ़ाने और इस संस्था की अहमियत बताने के लिए ही इंटरनेशनल फैमिली-डे मनाया जाता है। हर साल यह दिन एक खास थीम के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। वर्ष 2025 की थीम 'सतत विकास के लिए परिवार-उन्मुख नीतियां-सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की ओर' रखी गई है। जिसका उद्देश्य समाज के डेवलपमेंट के लिए परिवार की बेहतरी से जुड़ी पॉलिसीज पर फोकस करना है। साथ ही यह विषय फैमिली सिस्टम से जुड़ी मौजूदा नीतियों और मुद्दों के एनालिसिस और रिव्यू से भी जुड़ा है। समझना मुश्किल नहीं कि मौजूदा पॉलिसीज को समझकर ही भविष्य में पारिवारिक मूल्यों को बेहतर बनाने की राह तलाशी जा सकती है।

अपनों का प्रेम-साथ-स्नेह अनमोल

असल में व्यवस्थागत प्रयासों के साथ हमें भी परिवार से जुड़ाव के अर्थ को समझना होगा। सब कुछ बनाने-जुटाने के फेर में गांवों से लेकर मेट्रो सिटीज तक लोग यह भूल रहे हैं कि परिवारजनों के बीच साझे सुख-दुःख की भावना ही रीत रही है। आज भावनात्मक दूरियां बढ़ रही हैं। ऐसे में हमें याद रखना होगा कि परिवार के सभी सदस्यों को भावनाओं की डोर से बंधे रहना चाहिए। अपनों का साथ हर किसी के मन को छोटी से छोटी खुशी में भी अनमोल सुख देता है। रिश्तों का यह ताना-बाना स्नेह बांटना भी सिखाता है और खुशियों को जीना भी। फाइनेंशियल परेशानी हो या बीमारी, अपने ही तो हर कष्ट में साथ खड़े नजर आते हैं। इतना ही नहीं अपनों का साथ पाकर हर तरह के दुःख से जूझने की शक्ति भी मिलती है। कई समस्याएं दिलो-दिमाग को विचलित किए बिना ही हल हो जाती हैं। संबल और सुख का यह परिवेश परिवारजनों के साथ रहकर ही संभव है। तीज-त्योहारों की रौनक भी अपनों के साथ से ही होती है। मन में उत्साह-उमंग जगाने वाली खुशियां, परिवार के साथ बिना अधूरी-सी लगती हैं। घर-परिवार से मिलने वाला सुख-समर्पण का यह भाव ही हमें समाज और देश से जोड़ता है। समझना मुश्किल नहीं कि स्ट्रेस, डिप्रेशन और अकेलेपन से जूझते लोगों के आंकड़े में इजाफे का एक कारण पारिवारिक टूटन भी है। अपनी जड़ों से जुड़ाव रखना हो या मन-जीवन की जद्दोजहद का सामना करना, परिवार का साथ बहुत मायने रखता है। अपनों के बीच अनमोल साथ स्नेह को कायम रखने वाली कुटुंब व्यवस्था की भूमिका सुरक्षा, सेहत और संभाल हर पहलू पर अहम है।

दुख बांटने का सुख एक मानवीय अनुभव

सुख-दुख हर किसी के जीवन में आते हैं। लेकिन दुख साझा करने से उसे सहना थोड़ा आसान हो जाता है। इसलिए घर-परिवार में या कोई भी जानने वाला अगर दुख में दिखे तो उसका सहारा बनें, उसका दुख जरूर बांटें।

संवेदना
यशोधरा भटनागर

रहीम का एक दोहा है- रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय/ सुनि अठिलैहैं लोग सब, बांटि न लैहैं कोय।। इस दोहे का मतलब है कि अपने मन के दुख को मन में ही रखना चाहिए। दूसरों का दुख सुनकर लोग इठला भले ही लें, लेकिन उसे कम करने वाला कोई नहीं होता। साथ ही, लोग दूसरे का कष्ट सुनकर उसका उपहास भी उड़ाते हैं। वहीं दूसरी ओर यह भी कहा जाता है कि दुख बांटने से कम होता है। सच ही है, दुखों को हल्का करने के लिए, सिर रख कर रोने के लिए एक कंधा मिल जाए तो दुख कम तो नहीं होता पर एक ऐसा एहसास जुड़ जाता है, जो व्यक्ति के लिए संबल बन जाता है और वह दुख का सामना करने की शक्ति पा जाता है।

जीवन को गतिमान बनाते हैं सुख-दुखः मनुष्य का जीवन सुख और दुख के द्वंद्व में सदा गतिमान रहता है। सुख हमें आनंद देता है, परंतु दुख हमारी सहनशीलता, हमारे रिश्तों और हमारे भीतर छुपे मानवीय गुणों की परीक्षा लेता है। दुख एक ऐसा अनुभव है, जिसे यदि अकेले सहा जाए तो वह भारी लगता है, लेकिन यदि इसे किसी के साथ बांटा जाए, तो यह हल्का लगता है, एक अनोखे सुख का भी रूप ले लेता है। यह सुख गहरे मानवीय संबंधों और सहानुभूति के मूल्य को दर्शाता है। इसलिए हमें अपने आस-पास के लोगों का दुख बांटना चाहिए, दुखी व्यक्ति को अकेले नहीं छोड़ देना चाहिए। अस्सी वर्षीया शांति देवी की आंखें उस दिन बार-बार बरस रही थीं। पति का जन्मदिन जो था। भावों का तीव्र प्रवाह हृदय को उद्वेलित कर रहा था। सात बरस हो गए पति के देहांत हुए, लेकिन आज भी वह आस-पास ही महसूस होते हैं। शांति देवी पल भर भी उन्हें भुला नहीं पाई हैं। पहाड़-सा दुख मन पर डटा खड़ा है। दीवारों से घिरी वो अकेली हैं, नितांत अकेली। वे दीवारों से ही बतियाती हैं। दीवारें मौन हैं और दुख का पहाड़ उतना ही बड़ा। यह आज के समाज का विद्रूप-कुरूप चेहरा है।

कम होता है भावनात्मक बोझः दुख एक मानसिक और भावनात्मक बोझ है। इसे बांटने की प्रक्रिया न केवल इस बोझ को हल्का करती है, बल्कि उसमें छुपे तनाव, अकेलेपन और हताशा को भी कम करती है। यह वही प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपने भीतर के भावों को शब्दों के माध्यम से बाहर निकालता है। एक सच्चे मित्र या हमदर्द के साथ ऐसा करने से व्यक्ति को यह विश्वास होता है कि कोई उसे समझ रहा है, उसकी पीड़ा में शामिल है। यह विश्वास ही उसे मानसिक और भावनात्मक सुकून देता है।

दुख सुनाने और सुनने वाले बंधते हैं अदृश्य बंधन में: हर व्यक्ति को जीवन में ऐसे किसी साथी की आवश्यकता होती है, जो उसके दुख को सुन सके, उसे समझ सके। मित्रता और हमदर्दी इस प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। एक सच्चा मित्र न केवल हमारे सुख के पलों का सहभागी होता है, बल्कि हमारे दुख के समय एक आश्रय भी बनता है।

मिलती है आंतरिक संतुष्टिः जब हम किसी के साथ अपना दुख साझा करते हैं, तो हमें एक आंतरिक संतुष्टि मिलती है। यह संतोष इस बात का प्रतीक है कि हमने अपने भावनात्मक बोझ को हल्का किया है।

प्रॉपर मेकअप से मिलेगा अट्रैक्टिव लुक

मेकअप
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

आकर्षक-खूबसूरत दिखने के लिए आप हर पॉसिबल स्टेप फॉलो करती हैं। अगर किसी पार्टी में जाना हो तो स्टाइलिश ड्रेस चुनती हैं, ताकि सबसे अलग दिखें। लेकिन अच्छी ड्रेस भी आपकी ब्यूटी को तभी उभारता है, जब मैचिंग मेकअप अप्लाई किया जाए। हालांकि मेकअप तो सभी महिलाएं करती हैं लेकिन सही तरीके से किया गया मेकअप ही आपके लुक को निखार सकता है। इसके लिए जरूरी है कि आपको मेकअप करने का सही तरीका पता हो। अगर आप मेकअप करने से पहले यह तय ही नहीं कर पाती हैं कि आपको किस तरह का मेकअप करना है और कैसा मेकअप आप पर अच्छा लगेगा, तो हम आपको सिंपल लेकिन इंप्रेसिव मेकअप स्टेप्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

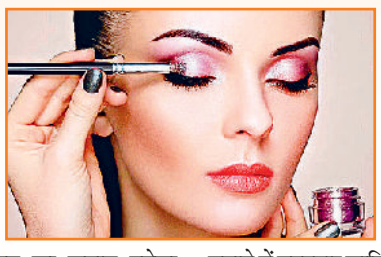

बेस तैयार करें: मेकअप बेस तैयार करने के लिए आपको सबसे पहले प्राइमर लगाना चाहिए। इसके बाद चेहरे पर फाउंडेशन लगाएं और फाउंडेशन का चुनाव हमेशा अपनी स्किन टोन से एक टोन अपर शेड का सेलेक्ट करें। इसके बाद आप फेस पावडर लगाएं। अगर आप गालों को हाईलाइट करना चाहती हैं, तो पीच ब्लश ऑन का भी इस्तेमाल करें। इस बात का भी ध्यान रखें कि फाउंडेशन लगाने के बाद गीले स्पंज को चेहरे पर डैब करें, ताकि फाउंडेशन अच्छे से ब्लेंड हो जाए।

आई मेकअपः निखरी खूबसूरती पाने के लिए आंखों का परफेक्ट मेकअप भी बहुत मायने रखता है। अच्छा आई मेकअप आपके पूरे लुक को बेहतर बनाने में मददगार साबित हो सकता है। इसके लिए आपको सबसे पहले आंखों के आस-पास की स्किन और पलकों के ऊपरी हिस्से पर बेस तैयार करना चाहिए और प्राइमर और फाउंडेशन लगाना चाहिए। आप आंखों को यदि बड़ा दिखाना चाहती हैं, तो लाइट आईशैडो का इस्तेमाल करना चाहिए। आप काजल और आईलैशेज का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

लिपस्टिकः लिपस्टिक का चुनाव करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि डे पार्टी में लाइट और न्यूड शेड्स की लिपस्टिक कैरी करें और नाइट पार्टी में डार्क रेड, ब्राउन या फिर डार्क पिंक कलर की लिपस्टिक अप्लाई करें। होंठों के आकर्षण के लिए लाइट और नेचुरल कलर्स का उपयोग करना चाहिए। ज्यादा डार्क या ब्राइट कलर लगाने से परहेज करना चाहिए। लिपस्टिक की रंगत चुनते समय अपनी स्किन शेड को जरूर ध्यान में रखें। अगर आपकी स्किन टोन में पीलापन है तो ऑरेंज कलर की लिपस्टिक से परहेज करें। डस्की स्किन के लिए यलो कलर की लिपस्टिक से परहेज करें। गर्मियों में सामान्य त्वचा के लिए हल्के रंग बेहतर लगते हैं, लेकिन सांवली रंगत के लिए चमकीले रंग बेहतर होंगे। आप डार्क यलो शेड्स का प्रयोग भी कर सकती हैं। रात में होंठों से लिपस्टिक हटाना न भूलें। लिपस्टिक के बचे रंग होंठों को सूखा कर सकते हैं।

आप नया घर बनवा रही हैं या पुराने घर का रिनोवेशन करवा रही हैं तो आप जरूर किचेन को भी आकर्षक डिजाइन में देखना चाहेंगी। इसलिए हम आपको यहां बता रहे हैं, कुछ मॉडर्न किचेन डिजाइंस के बारे में।

अट्रैक्टिव-कंफर्टेबल मॉडर्न किचेन डिजाइन

इंटीरियर
रेणु लैसी फ्रांसिस

हर घर में रसोई यानी किचेन का खास महत्व होता है। यहीं पर आप पूरे परिवार के लिए खाना-नाश्ता बनाती हैं। होम मेकर्स के दिन का काफी समय यहीं बीतता है। इसलिए इसका इंटीरियर न केवल आकर्षक बल्कि सुविधाजनक भी होना चाहिए। हालांकि पुराने दौर में घरों में जिस तरह के किचेन हुआ करते थे, आज उसके स्वरूप में काफी बदलाव हुए हैं। जैसे-जैसे तकनीक में सुधार हुआ, किचेन में सुविधाएं भी बेहतर होती गई हैं। आजकल मॉड्यूलर किचेन महिलाओं की पहली पसंद बन रही है। नए इंटीरियर ट्रेंड में किस तरह के किचेन पसंद किए जा रहे हैं, आप जरूर जानना चाहेंगी।

ओपन किचेनः आजकल विदेशों की तरह अपने यहां भी घरों में ओपन किचेन लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है। यह डायनिंग रूम और हॉल के साथ ही बनाए जाते हैं। ओपन किचेन में कोई दरवाजा नहीं होता, यह बिल्कुल खुला हुआ होता है। चारों तरफ से रोशनी और हवा आती रहती है। आप इस किचेन में काम करते हुए अन्य लोगों से बातचीत भी कर सकती हैं। आप किसी इंटीरियर डिजाइनर की सलाह से ओपन किचेन बनवा सकती हैं।

वाल किचेनः छोटी जगह के लिए वाल किचेन एक अच्छा ऑप्शन है। आजकल लोग एक दीवार वाला किचेन ज्यादा बनवाना पसंद कर रहे हैं। आप रसोई के सामानों को एक दीवार के साथ व्यवस्थित रख सकती हैं। जिससे सब कुछ आसानी से एक ही जगह मिल जाता है। किचेन में सामानों को स्लाइडिंग दरवाजे के पीछे या कैबिनेट के भीतर रखा जा सकता है। आप एक सामान के ऊपर दूसरा सामान भी रख सकती हैं, जिससे छोटी जगह का भी उपयोग ईजीली हो जाता है।

एल शेप किचेनः आजकल एल शेप के किचेन भी काफी बनवाए जा रहे हैं। यह छोटी और बड़ी दोनों जगहों पर आसानी से बन जाता है। इसमें आप कम जगह में ज्यादा सामान को आसानी से स्टोर कर सकती हैं। कुकिंग एरिया और स्टोर को अलग दो भाग में बनाने के लिए आजकल एल शेप के किचेन ज्यादा बनाए जा रहे हैं। एक तरफ खुली जगह जहां आप खाना बना सकती हैं। दूसरे भाग में आप सामान रख सकती हैं। अगर आपके पास छोटा किचेन स्पेस है तो एल शेप का किचेन बनवा सकती हैं।

पैरेलल किचेनः ऐसा किचेन कम जगह में आसानी से बन जाता है। अगर आपके घर में स्मॉल गैलरी जैसा शेप है तो आप यहां पैरेलल किचेन बनवा सकती हैं और किचेन को क्लासिक लुक भी दे सकती हैं। पैरेलल किचेन में एक समय में एक से अधिक व्यक्ति काम नहीं कर पाते हैं।

यू शेप किचेनः आपके घर में ज्यादा और बड़ी जगह है तो आप यू शेप का किचेन बनवा सकती हैं। इसमें आपको स्पेशियस स्टोरेज की सुविधा मिलेगी। यू शेप के किचेन में आप आसानी से सिंक, कुकटॉप, ओवन और रेफ्रिजरेटर को रख सकती हैं। यू शेप के किचेन में दो-तीन लोग आराम से एक साथ काम कर सकते हैं। आपका परिवार बड़ा है तो यू शेप किचेन को बनवाने में ही समझदारी है।

(इंटीरियर डिजाइनर वरिजा बजाज से बातचीत पर आधारित)

तब आपका मन नहीं होगा बीमार

आजकल अनेक महिलाएं कई वजहों से अलग-अलग मनोरोगों की शिकार हो रही हैं। क्यों होता है ऐसा, इसके लक्षणों को कैसे पहचानें और इससे बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? यहां बता रहे हैं डिटेल में।

मेंटल हेल्थ
डॉ. विपुल रस्तोगी
सीनियर साइकिएट्रिस्ट, गुरुग्राम

आज लोगों की जीवनशैली में व्यस्तता इतनी ज्यादा बढ़ रही है कि उनके पास खुद पर ध्यान देने और अपने परिवार के सदस्यों से भी बातचीत करने का समय नहीं होता है। इस तनावपूर्ण जीवनशैली के प्रभाव से महिलाएं भी अछूती नहीं हैं। इस दबाव की वजह से हमेशा उनका मन अशांत और उदास रहता है, वे स्ट्रेस, एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं की शिकार हो जाती हैं। इनके बारे में आपको पता होना चाहिए।

मेंटल स्ट्रेसः पुराने समय की तुलना में आज की महिलाओं का जीवन ज्यादा मुश्किलों से भरा है। संयुक्त परिवार तेजी से टूट रहे हैं और शहरों में न्यूक्लियर फैमिली की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसी स्थिति में होममेकर्स के आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति नहीं होता, जिसके साथ वे अपने मन की बातें शेयर कर सकें। इसकी वजह से उनका तनाव बढ़ने लगता है।

प्रमुख लक्षणः उदासी, चिड़चिड़ापन, थकान, अनिद्रा, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, कार्य क्षमता का घटना और निराश हो जाना इसके प्रमुख लक्षण हैं।

बचाव-उपचारः नए लोगों से दोस्ती बढ़ाएं, प्रियजनों के साथ मन की बातें शेयर करें, म्यूजिक सुनें, बागवानी या स्पोर्ट्स जैसी एक्टिविटीज में अपनी सक्रियता बढ़ाएं। नियमित रूप से योग और प्राणायाम करें। सही ढंग से टाइम मैनेजमेंट करते हुए अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। अगर इन प्रयासों के बावजूद तनाव कम न हो तो मनोवैज्ञानिक से संपर्क करें।

एंग्जायटीः यह ऐसी मनोदशा है, जिसमें अत्यधिक चिंता, डर या बेचैनी महसूस होती है। खान-पान की गलत आदतों के कारण होने वाले हार्मोन संबंधी असंतुलन भी इसके लिए जिम्मेदार हैं।

प्रमुख लक्षणः मन में बार-बार नकारात्मक विचार आना, हमेशा सशंकित रहना, वर्तमान को छोड़कर भविष्य के बारे में लगातार सोचते रहना, खुद को लाचार महसूस करना, दिल की धड़कन तेज होना, पसीना आना, थकान और सांस लेने में तकलीफ होना।

बचाव-उपचारः सोने-जागने का समय सुनिश्चित करें, जब मन परेशान हो तो गहरी सांस लें, योग और ध्यान करें, करीबी लोगों के साथ इस समस्या के बारे में खुलकर बातचीत करें, हमेशा अच्छा सोचें और मोटिवेशनल किताबें पढ़ें। इन प्रयासों के बावजूद अगर आपकी मनोदशा में कोई बदलाव न आए तो एक्सपर्ट से सलाह लें।

डिप्रेशनः अगर किसी व्यक्ति के मन में उदासी और जीने से अरुचि की भावना लंबे समय तक बनी रहे, तो ऐसी मनोदशा को डिप्रेशन कहा जाता है। आजकल महिलाओं में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है।

प्रमुख लक्षणः अकेलापन और खालीपन महसूस करना, ज्यादा सोना या अनिद्रा, ओवर ईटिंग या भूख न लगना, हीन भावना, आत्मविश्वास में कमी, डिप्रेशन के लक्षणों में शामिल हैं।

बचाव-उपचारः अपनी रुचि से जुड़े कार्यों में स्वयं को व्यस्त रखें, खुशमिजाज लोगों से दोस्ती बढ़ाएं, कॉमेडी शोज देखें, बच्चों के साथ वक्त बिताएं, घूमने-फिरने जाएं, धार्मिक गतिविधियों में शामिल हों, बागवानी करें या घर में कोई पालतू जानवर रखें। ऐसे छोटे-छोटे प्रयास डिप्रेशन दूर करने में मददगार होते हैं। जरूरत महसूस होने पर साइकिएट्रिस्ट से सलाह लें।

प्रस्तुतिः विनीता

खबर संक्षेप

सभी परीक्षा केंद्रों पर निषेधाज्ञा लागू की

भिवानी। जिलाधीश महावीर कौशिक ने महर्षि दयानंद विवि रोहतक की परीक्षाओं को नकल रहित और शांतिपूर्ण संपन्न करवाने के लिए जिला में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 को लागू किया है। जिलाधीश द्वारा जारी आदेशों में कहा गया है कि एमडीयू की मई 2025 की परीक्षाएं 20 जून 2025 तक आयोजित की जानी निश्चित है। जिलाधीश महावीर कौशिक ने सभी परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में लाठी, डंडा, जेली और किसी भी प्रकार के घातक हथियार लेकर जाना वर्जित किया है।

दीवार गिरने से हादसा महिला गंभीर घायल

भिवानी। हनुमान ढाणी, बैकुंठ धाम के सामने अचानक एक पुरानी दीवार ढह गई, जिसकी चपेट में आने से 23 वर्षीय महिला और पशु जख्मी हो गए। जिस वक्त दिवार गिरी। उस वक्त महिला अपने घर के पास मवेशियों के शेड में कुछ कार्य कर रही थी। दीवार गिरने से जोरदार धमाके जैसी आवाज हुई, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोगों और सविता की सास दर्शना देवी ने बताया दीवार गिरने से उनके मकान का एक कमरा और मवेशी शेड की छत पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में 23 वर्षीय एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे अस्पताल ले जाया गया।

सरकार किसानों को दे रही 75 से 85 प्रतिशत तक अनुदान

प्रगतिशील किसानों ने मशरूम की खेती से किसानों को दिखाई नई राह

30 गुणा 20 फीट मशरूम हट बनाने का खर्च महज 30 हजार एससी किसानों के लिए 75 प्रतिशत अनुदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चल रही हरियाणा सरकार प्रदेश के किसानों को परंपरागत फसल चक्र से निकालकर फलों व सब्जियों की खेती तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही है। जिला महेंद्रगढ़ के कुछ प्रगतिशील किसानों ने मशरूम की खेती करके अन्य किसानों को नई राह दिखाई है। यह बात पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव ने सोमवार कैंप कार्यालय में बागवानी विभाग के अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों की बदौलत अब किसान धीरे-धीरे प्राकृतिक खेती की तरफ भी बढ़ रहा है। विभाग के अधिकारी भी लगातार इसी प्रकार किसानों को प्रोत्साहित करते रहें। उन्होंने कहा कि जिला की भौगोलिक स्थिति व किसानों की कम जोत क्षेत्र को देखते हुए मशरूम की खेती किसानों की आय बढ़ाने के लिए बेहतर विकल्प के रूप में उभरा है। इस मौके पर जिला उद्यान अधिकारी डॉ. प्रेम ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में अपनाई गई मशरूम की खेती के लाभार्थियों के साथ-साथ विभाग की ओर से चलाई जा रही अन्य स्कीमों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बागवानी विभाग द्वारा लो कोस्ट मशरूम हट 30 गुणा 20 फुट बनाने पर 30 हजार रुपये का खर्चा आता है, जिस पर अनुसूचित जाति के किसानों को 85 प्रतिशत व सामान्य किसानों को 75 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। इसी तरह 100 बटन मशरूम ट्रे जिसकी लागत 30 हजार रुपये होने पर अनुसूचित जाति के किसानों को 85 प्रतिशत व ओ एस्टर मशरूम ट्रे जिसकी लागत 30 हजार रुपये होने पर सामान्य किसान को 50 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है।

नारनौल। बागवानी अधिकारियों से बातचीत करते विधायक ओमप्रकाश यादव।

मेरी फसल मेरा ब्यौरा

उन्होंने बताया की इस स्कीम के लाभ की अधिकतम सीमा प्रति किसान एक मशरूम हट व 100 मशरूम ट्रे की ही है। विधायक ओमप्रकाश यादव ने जिला उद्यान अधिकारी को इस स्कीम का फायदा ज्यादा से ज्यादा किसानों को पहुंचाने के लिए मशरूम हट का क्षेत्र व मशरूम ट्रे की अधिकतम सीमा बढ़ाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे फसल विविधिकरण के माध्यम से फलदार पौधे, फूल की खेती, मसालों की खेती, संरक्षित खेती व बेल वाली सब्जियों को तकनीक के साथ करके अपनी आय बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बागवानी लगाने वाले सभी किसानों से आह्वान किया कि वे बागवानी फसलों का बीमा मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना के माध्यम से अवश्य करवाएं, ताकि प्राकृतिक आपदा आने पर उचित नुकसान की भरपाई हो सके। किसी भी योजना का लाभ लेने के लिए किसानों का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है।

बसपा की न्याय यात्रा, अटेली में सीएसडी कैंटीन खोलने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बहुजन समाज पार्टी के नेता समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने केन्द्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह से अटेली में सीएसडी कैंटीन खोलने की मांग की है। अतरलाल ने अटेली न्याय यात्रा के दौरान रामपुरा, नावदी, खेड़ी कांटी में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए उक्त मांग उठाई। उन्होंने कहा कि अटेली सैनिक तथा पूर्व सैनिकों की खान है। यहां हर चौथे पांचवें घर से सेना में जवान तथा पूर्व सैनिक हैं। इसलिए केन्द्र सरकार को सैनिक व पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए अटेली में तत्काल सीएसडी कैंटीन खोलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि काफी समय से सैनिक व पूर्व सैनिक अटेली में सीएसडी कैंटीन खोलने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी न्यायसंगत मांग की उपेक्षा कर रही है। इससे सैनिक व पूर्व सैनिकों को जरूरत का सामान खरीदने के लिए नारनौल, महेन्द्रगढ़ जाना पड़ता है। इससे उनका धन व समय बर्बाद होता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार ने एक महीने के अंदर अटेली में सीएसडी कैंटीन खोलने की कार्रवाई शुरू नहीं की तो बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता पूर्व सैनिकों के साथ धरना प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे। गांवों में न्याय यात्रा के पहुंचने पर ग्रामीणों ने न्याय यात्रा के नेता अतरलाल का फूल मालाओं व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर कैप्टन हुकमसिंह, कैप्टन जगरूप सिंह, डॉ. अमर सिंह, प्रधान महेन्द्र चौहान, प्रधान शेरसिंह यादव, भागसिंह चेयरमैन, राजेन्द्र सिंह, दानसिंह प्रजापत, कैलाश सेठ, कर्मबीर, सज्जन सिंह, राजबीर, जगदीश, अमर सिंह, बलबीर, दलीप, सुरजभान, मुकेश, मुन्नीलाल, जीवनराम, सोमदत, चन्दगीराम, राजपाल, धीरज, पवन, सुरेश, सुबेसिंह, राहुल, शीशराम, अमित, विकास चौहान, अरूण चौहान, नरेश सिंह, जगदीश, संदीप, जयकरण, श्यामसुन्दर, सोमदत शर्मा, इन्द्रजीत सिंह, दिवाकर सिंह, चेतन सोनी, महिपाल चौहान, हितेश कौशिक आदि उपस्थित थे।

नारनौल। अटेली न्याय यात्रा के दौरान ग्रामीणों को सम्बोधित करते अतरलाल।

जांगिड़ समाज जुलाई माह में तलोट में करेगा सम्मेलन, तैयारियां शुरू

नारनौल। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा देहली के तत्वावधान में जिला स्तरीय बैठक जिला प्रधान अशोक कुमार की अगुवाई में आर्य राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण को बैठक का अध्यक्ष बनाया गया। बैठक में एक प्रस्ताव पारित हुआ कि एक जिला स्तरीय सम्मेलन जांगिड़ समाज का हो। वह स्थान तलोट में करने पर सभी ने सहमति जताई तथा तलोट के पूर्व सरपंच एवं ब्लॉक प्रधान प्रमोद ने भी इस मीटिंग में अपने विचार रखते हुए कहा कि जिला स्तरीय सम्मेलन तलोट में करने के लिए उन्हें खुशी है। यह सम्मेलन जुलाई 2025 में करने का प्रस्ताव पास हुआ तथा इस सम्मेलन में बुजुर्गों व मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। लक्ष्मीनारायण आर्य ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि समाज को बुराईयों से हटकर कुछ ज्वलंत समस्याओं पर विचार करना होगा। इस मौके पर राजेश सीताराम मंत्री, कैलाश मित्रपुरा, नारायण मुनीम, ढुलीचंद ब्लॉक प्रधान, पंचम सिंह, महावीर प्रसाद, हरिओम आदि मौजूद रहे।

पूर्व राज्यसभा सांसद की पुण्यतिथि पर पैतृक गांव नीरपुर में किया हवन

- राव मानसिंह को समर्थकों ने नमन कर दी श्रद्धांजलि।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गांव नीरपुर वासी पूर्व राज्यसभा सांसद स्व. राव मानसिंह की पुण्यतिथि पर सोमवार को उनके निवास पर हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि राव मानसिंह ने आजीवन लोक कल्याण के लिए कार्य किया। वे अपने नेक कार्यों के लिए सदा याद किए जाएंगे। उन्होंने पहले खिलाड़ी, फिर पुलिस अधिकारी व राज्यसभा सांसद के रूप में अपने गांव और इलाके का सम्मान बढ़ाया। इस अवसर पर उनके पुत्र दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम के पूर्व अधीक्षण अभियंता राव सुखबिंद्र सिंह ने सभी उपस्थित महानुभावों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हम सब राव साहब के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराते हैं। लोक कल्याण का जो कार्य वे हमें सौंपकर गए हैं, उसे आगे बढ़ाएंगे। परिवार ने पूर्व सांसद की स्मृति में विभिन्न सामाजिक धार्मिक संस्थाओं में सहयोग भी दिया।

नारनौल। हवन करते परिवार के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

दुष्कर्मियों को 20-20 साल कैद और जुर्माना

भिवानी। नाबालिग लड़की के साथ घर में दुष्कर्म करने व जान से मारने की धमकी के मामले में दो आरोपियों को अजय पराशर अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट पोस्को भिवानी की कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार देते हुए (06 पोस्को एक्ट के तहत 20 साल कैद की सजा 3,00,000 जुर्माना व धारा 506 भारतीय दंड संहिता के तहत 03 वर्ष कैद की सजा की सजा सुनाई है। कोर्ट ने प्रत्येक आरोपी पर 03 - 03 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। महिला थाना भिवानी ने 2022 में केस दर्ज किया था। महिला थाना भिवानी को एक शिकायत दर्ज करवाई गई थी। जिसमें नाबालिक लड़की ने आरोपियों के द्वारा नाबालिग घर में उससे दुष्कर्म करके जान से मारने की धमकी देने के मामले में दी शिकायत पर अभियोग दर्ज किया गया था।

श्रीमद्भागवत कथा में सुनाई श्रीकृष्ण की बाल लीला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अग्रवाल सभा में आयोजित की जारी संगीतमय श्रीमद्भाग्वत कथा के पांचवें दिन सोमवार को सर्वप्रथम आचार्य मनीष शास्त्री, राघव शास्त्री, गौरव शास्त्री, जितेंद्र शर्मा, अशोक जोशी ने मुख्य यजमान हनुमान प्रसाद अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, विकास अग्रवाल से विधिविधान से सभी देवताओं का पूजन करवाया। आचार्य बजरंग शास्त्री ने भागवत कथा में प्रवचन देते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म संसार के मरण धर्मा लोगों को शिक्षा देने व दुष्टों के संहार तथा संतों ब्राह्मणों की रक्षा के लिए हुआ। उन्होंने बताया जब जब धर्म की हानि होती है और अधर्म को बढ़ावा मिलता है, तब तब प्रभु विभिन्न अवतार लेकर पृथ्वी पर आते है।

आचार्य ने बताया भगवान श्री कृष्ण का जन्म मथुरा में हुआ और वसुदेव जी भगवान श्री कृष्ण को गोकुल में नंद बाबा के महल में माता यशोदा के पास छोड़कर आए। उन्होंने बताया कि वापस जैसे ही कारागृह में पहुचे तो जो ताले कारागृह के खुले थे अपने आप बंद हो गए और पहरेदार जग गए, क्योंकि जीव जब भगवान का आश्रय लेता है, तो बंधन से छूट जाता है और माया का आश्रय लेता है, तो बंधन में बंध जाता है। बजरंग शास्त्री ने बताया कि कृष्ण जन्म के बारे में सुनते ही गोकुल में बधाई बंटने लगी। सभी ब्रजवासी माता यशोदा के महल में बधाई देने आने लगे और नंद बाबा ने लाला के जन्म का समाचार सुना तो खूब बधाई लुटाई गई। संतों ब्राह्मणों को बहुत अधिक दान दक्षिणा दी।

नारनौल। श्रीमद्भागवत कथा सुनते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मनीष निर्मल शास्त्री, अरुण शर्मा, टीना शर्मा, विकास अग्रवाल, शिवकुमार मेहता, सुरेंद्र गोयल, राकेश बंसल, राजेंद्र गुप्ता, गोपाल मित्तल, विजय जिंदल, विनोद चौधरी, राजकुमार यादव एडवोकेट, सुमित अग्रवाल, प्रदीप संघी, महेश मालोठिया, विनोद सोनी, देवेंद्र कौशिक, सुरेश चौधरी, कृष्ण गुप्ता, नीरज अग्रवाल, हनुमान प्रसाद, मंगला, गोमती बोहरा, रेखा संघी, रचना अग्रवाल, सरिता जैन, मंजू मालोठिया, मंजू गुप्ता मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। बुद्ध पूर्णिमा पर वचनों का आनंद उठाते लोग। फोटो : हरिभूमि

महायचान में उत्साह से मनाई बुद्ध पूर्णिमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मौहल्ला महायचान के गुरु रविदास मंदिर में बुद्ध पूर्णिमा मनाई गई। इस दौरान भजनों के माध्यम से बुद्ध के मार्ग पर चलने का प्रेरित किया गया। मास्टर सतवीर जोनावास ने उपस्थित लोगों से नशे से दूर रहने और शिक्षा ग्रहण करने की अपील की। प्रधान संदीप महायच ने कहा कि बुद्ध के मार्ग पर चलकर ही विश्व शांति स्थापित हो सकती है। महिलाओं ने बच्चों को पाखंड से दूर रहने की सलाह दी और प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रधान जगदीश महायच, मूल सिंह, गुरु रविदास सेवा समिति खजांची और सचिव मा. दिलबाग, गजेंद्र, बिमला, भगवती, अंगूरी, सावित्री, कमल, कृष्णा मौजूद रहे।

महिला सुरक्षा अधिकारों की दी जानकारी

- पुलिस ने शहर में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रमों का किया आयोजन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पुलिस ने शहर क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर महिलाओं को महिला सुरक्षा व उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। निरीक्षक शारदा देवी ने महिलाओं को जागरूक करते हुए बताया कि हमारे संविधान में महिलाओं के पास उत्पीड़न, दहेज, तलाक, घरेलू हिंसा, दुष्कर्म, छेड़छाड़ और अन्य हिंसा से सुरक्षा से पाने के लिए कानूनी अधिकार हैं। महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों व कर्तव्यों के सम्बन्ध में बताया तथा महिलाओं से जुड़े कानूनों, कानूनी संरक्षण और अधिकारों से अवगत कराते हुए जागरूक किया।

टीम ने कहा कि किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना, बातचीत करने के लिए दबाब डालना, छेड़ाछाड़ जैसी किसी भी घटना के होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करना चाहिए। महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिला हिंसा व उनके साथ भेदभाव करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए अनेक कानून बनाए गए हैं। महिलाओं को डायल 112 के बारे में बताया कि किसी भी आपात स्थिति में वे डायल 112 पर कॉल करें। पुलिस आपकी सहायता के तुरंत पहुंचेगी।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद व्यक्तियों को नशे के विभिन्न प्रकारों, उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने नशे की लत से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। नशे की समस्या से जूझ रहे व्यक्ति और उनके परिवारजन किस प्रकार पुलिस तथा अन्य संबंधित संस्थाओं से मदद प्राप्त कर सकते हैं। नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देकर नशे के विरुद्ध जागरूक किया। उन्होंने कहा कि नशा शरीर, परिवार, समाज व देश का सबसे बड़ा दुश्मन है। इससे दूर रहें और दूसरों को भी दूर रखें। नशे की लत से व्यक्ति को अपना शरीर, परिवार आदि उसको कुछ दिखाई नहीं देता, वह नशे के लिए अपराध करने से भी नहीं हिचकता और नशे के पीछे भाग कर अपनी जिन्दगी बर्बाद कर लेता है।

नारनौल। सार्वजनिक स्थान पर नागरिकों को जागरूक करती पुलिस।

महेंद्रगढ़। लोगों को मीठा पानी पिलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

प्राचीन बौद्ध विहार में मनाई गई बुद्ध जयंती

महेंद्रगढ़। डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक स्थित प्राचीन बौद्ध विहार पर बुद्ध जयंती मनाई गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एसएलजी अमन फाउंडेशन भारत के चेयरमैन सुंदरलाल जोरासिया ने की। जोरासिया ने बताया की भगवान बुद्ध पूर्णिमा के दिन पैदा हुए, पूर्णिमा के दिन ज्ञान प्राप्त हुआ, पूर्णिमा के दिन निर्वाण को प्राप्त हूए, उनके अनुयाई पूरे विश्व में डंका बजा रहे हैं। बुद्ध काल में भारत विश्वगुरु कहलाता था। शिक्षा के क्षेत्र में तक्षशिला विश्वविद्यालय, विक्रम शीला, बौद्ध गया नालंदा विश्वविद्यालय से पूरे विश्व के बच्चे शिक्षा ग्रहण करने आते थे।

बौद्ध गया नालंदा विश्वविद्यालय को निर्दयी राजा ने आग लगाकर छह महीने तक धू-धूकर जलता रहा। आज उसका खंडहर पुरात्तव विभाग ने खुदवाकर संग्रहालय बनाया है। बुद्ध पूर्णिमा पर डॉ. आंबेडकर चौक पर मीठे पानी की छबील लगाई गई। इस अवसर पर हैड मास्टर तारावंद, पूर्व चेयरमैन रमेश खिच्ची, राम अवतार मांढिया, हैड मास्टर राजेश मेहरा, सतीश नंबरदार पाली, संतलाल खिच्ची, थानेदार मुकेश रंगा, सरदार प्रीतम सिंह, विकास बचीनी, अमन गौतम, उमेद मेहरा, आशिष गौतम, मैनेजर प्रेम सिराहा, नरेश निंबल, जेई दाताराम, कर्ण सिंह, श्यामलाल अरोड़ा, रविता नाहवाल, रवि अरोड़ा, मोहित व कृष्णा इत्यादि उपस्थित रहे।

मानवता व अहिंसा का पालन करना ही है बुद्ध का सच्चा संदेश

संघर्ष समिति व रविदास महासभा ने मनाई बुद्ध पूर्णिमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति व गुरु रविदास महासभा के संयुक्त तत्वावधान में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर जयंती का आयोजन गुरु रविदास मंदिर में किया गया। जिसकी अध्यक्षता समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान व महासभा के प्रधान बलबीर सिंह बबेरवाल ने की। कार्यक्रम आरंभ करने से पूर्व भारत पाकिस्तान युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण किया गया। तत्पश्चात उपस्थित सदस्यों ने बुद्ध वंदना, पंचशील का पाठ तथा बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

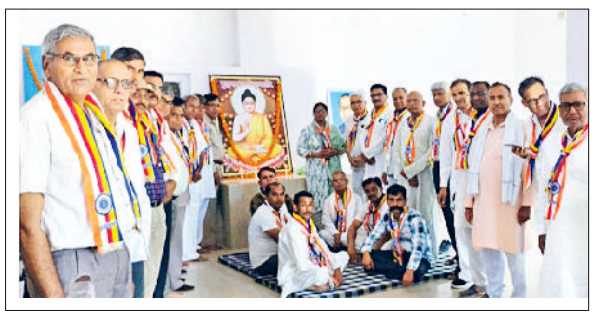

नारनौल। बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

संचालन करते हुए समिति के महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के प्रमुख सलाहकार बिरदीचंद गोठवाल ने कहा कि मई माह की बुद्ध पूर्णिमा को तीन गुना पवित्र दिन के रूप में मनाया जाता है, क्योंकि भगवान बुद्ध के जीवन की सभी महत्वपूर्ण घटनाएं लुम्बिनी में उनका जन्म, बोद्धगया में ज्ञान की प्राप्ति और कुशीनगर में महापरिनिर्वाण इसी दिन घटित हुई थीं। प्रधान चन्दन सिंह जालवान, रोशनी देवी, केला देवी, आशा पूनिया, मदनलाल डाडैया, हरफूल सिंह, रामभरोस भीम, लाजपत सिरोहा, डॉ. माईराम, प्यारेलाल चवन आदि ने महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं पर विस्तार से संदेश दिया।

बुद्ध का मूल संदेश दुःख का निवारण करने का मार्ग था। उन्होंने अपने पहले उपदेश में चार अरिय सत्य बताए थे कि संसार में दुःख है, दुःख का कारण है, दुःख का निवारण है और दुःख के निवारण का मार्ग। प्रधान चन्दन सिंह जालवान ने कहा कि बुद्ध के बताए मार्ग अनुसार दुःख जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है। प्रधान बलबीर सिंह बबेरवाल ने उपस्थितजनों का धन्यवाद किया। इस मौके पर उपाध्यक्ष राजेश चांवरिया, प्रधान कैलाश चंद, सुमेर सिंह गोठवाल, सुरेन्द्र अंबेडकर, बाबूलाल नारनौलिया, सुरेश नारनौलिया, महासचिव रमेश चंद, कन्हैयालाल, हरिराम सिरोहा, अतर सिंह खिंची, हजारीलाल खटावला, अमरनाथ सिरोहा, रामचंद्र ग्रोवर, अनूप सिंह, अशोक कुमार, बलबीर हुडिना, सीमा, जिलेसिंह, बनवारीलाल, जगराम, कमल सिंह, मीनदीन, नरेश कुमार, मनोहर लाल, तरंग गिजीन इत्यादि मौजूद रहे।

रोडवेज में पदोन्नत होकर आए नए स्टाफ का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

रोडवेज बस डिपो में मुख्य निरीक्षक की पोस्ट कई वर्षों से खाली पड़ी थी। अब सरकार ने पिछले हफ्ते सात मई को निरीक्षकों को पदोन्नति देकर मुख्य निरीक्षक बनाए हैं, उसी प्रमोशन के आधार पर रेवाड़ी से परमोट होकर दो मुख्य निरीक्षक नारनौल डिपो को मिले हैं। महाप्रबंधक अनित कुमार यादव ने नौ मई नियुक्ति प्रदान कर दी थी। सतीश कुमार एवं ब्रह्मप्रकाश को मुख्य निरीक्षक की पोस्ट पर लगा दिया था। इंस्पेक्टर रविन्द्र कुमार हिसार, वीरेन्द्र सिंह अम्बाला, सब इंस्पेक्टर सतपाल दादरी, गुलशन रोहतक, यातायात के निरीक्षक नवरत्न शर्मा दादरी, संजय कुमार दादरी, सतेंद्र कुमार झज्जर का सोमवार को नारनौल डिपो प्रधान हंसराज यादव व संस्थान प्रबंधक जरनैल सिंह ने स्वागत एवं सम्मान किया। बुकिंग इंचार्ज महेश शर्मा, कार्यनिरीक्षक तेजपाल, किरोड़ीमल व रोशन कुमार ने बधाई दी। यातायात शाखा से बालकिशन, हैड केशियर संदीप कुमार, स्टेंड इंचार्ज कुलदीप पटीकरा मौजूद रहे।

नारनौल। प्रमोट होकर आए स्टाफ का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

राव तुलाराम के नाम से ही हो मेडिकल कॉलेज

नारनौल। कोरियावास मेडिकल कॉलेज का नामकरण अमर शहीद राव तुलाराम के नाम से किए जाने से आने वाली पीढ़ियों को देश की आजादी के लिए काम आने वाले अमर शहीदों के जीवन की प्रेरणा मिलती रहेगी। खोड़मा के सरपंच बहादुर सिंह एवं पूर्व चेयरमैन रोहताश यादव ने कहा कि अमर शहीद राव तुलाराम ने देश को आजाद करवाने के लिए नारनौल के नसीबपुर मैदान में अंग्रेजों के साथ पहली लड़ाई लड़ी। जिसमें न केवल पांच हजार राव तुलाराम के सैनिकों का बलिदान हुआ, अपितु दो अंग्रेज सैनिक अधिकारियों के साथ हजारों सैनिक भी मरे थे।

तेल पाइप लाइन के पाइपों में लगी आग

भिवानी। सोमवार दोपहर बाद अचानक जींद-भिवानी मार्ग पर डाली जा रही तेल पाइप लाइन के पाइपों में आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि किसी अनहोनी से बचने के लिए जींद-भिवानी मार्ग पर दोनों तरफ वाहनों की लाइनें लग गई। करीब आधे घंटे तक रोड पर वाहनों का आवागमन बाधित रहा। बाद में अग्निशमन दस्ता मौके पर पहुंचा। आग की लपटें शांत हुई। जींद भिवानी मार्ग के पास गांव तिगड़ाना के पास से पाइप लाइन बिछाई जा रही है। अचानक तेल के पाइप में आग लग गई। कम्पनी के कर्मचारियों ने आग बुझाने का प्रयास किया,लेकिन आग बुझने की बजाए लपटें तेज हो गई।

सती माता मंदिर में बनाया कोचिंग सेंटर, 300 बच्चों के बैठने की व्यवस्था

पाली के युवाओं को मिलेगी फ्री कोचिंग, खेलों पर रहेगा फोकस

शाम को दी जाएगी प्रतियोगी परीक्षा की कोचिंग, गांव के सरकारी शिक्षक फ्री देंगे कोचिंग, वालीबॉल के लगाए पांच नेट, जिम की मरम्मत, 12 लाख में बनाया नया ट्रैक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेश कुमार

महेंद्रगढ़। गांव पाली में युवाओं के लिए तैयार किया गया ट्रैक। फोटो : हरिभूमि

गांव पाली के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा के तैयारी के लिए अब शहर नहीं जाना पड़ेगा। ग्राम पंचायत व ग्रामीणों की ओर से गांव युवाओं के लिए गांव में ही निःशुल्क की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। इसके अलावा गांव पाली के युवा अब युवा किक्रेट, वालीबॉल, हैंडबाल, फुटबाल, कबड्डी व एथलैटिक्स जैसे खेलों में अपना भविष्य सवार सकेंगे।

ग्राम पंचायत व ग्रामीणों की ओर से युवाओं के लिए खेल मैदान तैयार करवा दिया गया है तथा युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण देने के लिए विभिन्न खेलों के कोच की नियुक्ति कर दी गई है। गांव के युवा मंगलवार से निशुल्क कोचिंग ले सकेंगे। वहीं ग्राम पंचायत की ओर से करीब 12 लाख की लागत से बनवाए गए ट्रैक पर फिजिकल की तैयारी भी कर सकेंगे।

भविष्य को देखते हुए लिया निर्णय

गांव के सरपंच देशराज फौजी का कहना है कि अक्सर देखने में आता है युवा सुविधा के अभाव में रास्ता भटक जाते है। इसलिए ग्रामीणों ने गांव के युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार कोचिंग सेंटर में अपने बच्चों को नहीं भेज पाते। इसलिए ग्रामीणों के सहयोग से गांव निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा गांव के बच्चों के लिए निःशुल्क खेलों का प्रशिक्षण देने की भी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा युवाओं को प्रेरित करने के लिए गांव खेल मैदान में तीसरे दिन ग्राम पंचायत व एसडीएम महेंद्रगढ़ की टीम के बीच वालीबॉल व हैंडबाल के मैच भी होंगे।

नया ट्रैक बनकर तैयार

ग्राम पंचायत की ओर से गांव युवाओं के लिए 440 मीटर में करीब 12 लाख रुपये की लागत से ट्रैक तैयार करवा दिया गया है। यहां गांव के युवा विभिन्न भर्तियों के लिए फिजिकल की तैयारी कर सकेंगे। इसके अलावा ग्रामीण सुबह-शाम व्यायाम भी कर सकेंगे। वहीं गांव के कोच डीपी शैलेंद्र सिंह द्वारा वालीबॉल व फुटबाल, कोच नरेश कुमार की ओर से कबड्डी, प्रीतम तंवर द्वारा एथलैटिक्स का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा सरकारी नर्सरी में प्रवीन कुमार की गांव बच्चों को क्रिकेट की कोचिंग भी दी जा रहीं है।

जिम की भी होगी निःशुल्क सुविधा

पंचायत के पिछले कार्यकाल में गांव के युवाओं के लिए निःशुल्क जिम सुविधा उपलब्ध कराई गई है। लेकिन कुछ समय से जिम की मशीनें खराब हो गई थी। ऐसे में गांव के काफी युवा अपनी जेब से पैसे खर्च जिम कर रहे थे। अब ग्राम पंचायत की ओर से करीब 50 हजार रुपये से जिम की मशीनों की मरम्मत करवा दी गई है। अब गांव के युवा 16 मशीनों पर निःशुल्क जिम कर सकेंगे। इसके अलावा ग्राम पंचायत की ओर से अपने खर्च पर 5 जगह वालीबॉल के नेट लगा दिए गए है। यहां प्रतिदिन में काफी संख्या में युवा वालीबॉल का अभ्यास कर रहे है।

300 बच्चों के बैठने की होगी सुविधा

ग्राम पंचायत व ग्रामीणों की ओर से गांव सती माता मंदिर में गांव के बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की गई है। यहां करीब 300 युवा कोचिंग ले सकेंगे। मंगलवार से बच्चों को कोचिंग मिलनी शुरू हो जाएंगी। वर्तमान में गांव के करीब 150 बच्चे कोचिंग लेने के लिए तैयार हो चुके है। युवाओं को गांव के सरकारी शिक्षकों द्वारा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग दी जाएंगी। शिक्षक बलजीत सिंह गणित, प्रताप सिंह अंग्रेजी, राकेश कुमार पालिटिक्ल, योगेश कुमार व अनूप कुमार अन्य विषयों की कोचिंग देंगे।

सामूहिक प्रयासों से जाम कचरा मुक्त बनेगा शहर

महेंद्रगढ़। मीडिया कर्मियों से बात करते एसडीएम अनिल कुमार। फोटो : हरिभूमि

- झूठी, भ्रामक व अपुष्ट जानकारी से बचें, निर्देश माने : एसडीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

एसडीएम अनिल कुमार यादव ने कहा कि शहर को जाम मुक्त और कचरा मुक्त बनाने के लिए आमजन का जागरूक होना जरूरी है। एसडीएम सोमवार को अपने कार्यालय में मीडिया कर्मियों के साथ शहर की व्यवस्था सुधार पर चर्चा कर रहे थे।

एसडीएम ने कहा कि किसी भी शहर का इन्फ्रास्ट्रक्चर व सफाई व्यवस्था उसकी सुंदरता को बढ़ाने का काम करते हैं। इसलिए महेंद्रगढ़ को जाम मुक्त व कचरा मुक्त बनाने में आमजन का सहयोग जरूरी होता है। इस दौरान उन्होंने मीडिया कर्मियों के साथ शहर में पार्किंग व्यवस्था, सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण सहित अनेक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आमजन महेंद्रगढ़ को पॉलिथीन मुक्त शहर बनाने में प्रशासन का सहयोग करे और बाजार जाते समय घर से कपड़े का थैला जरूर लेकर जाए। उन्होंने कहा कि दुकानदार व आमजन कचरे को अधिकृत स्थान पर ही डालें। इधर-उधर कचरा ना फैंके, क्योंकि इससे गंदगी फैलेगी, जिससे नागरिकों को ही परेशानी का सामना करना पड़ेगा। एसडीएम ने सभी मीडियाकर्मियों से कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान के साथ चल रहे विवाद के मद्देनजर देश की सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर फैक्ट वेरीफाई करने के बाद ही किसी खबर को प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया में प्रकाशित व ब्रॉडकास्ट करें। किसी अपुष्ट तथ्य को न तो सोशल मीडिया पेज पर डालें और न ही उसे सोशल मीडिया में शेयर करें। जिला स्तर पर सभी की मॉनिटरिंग की जा रही है। तथ्यहीन न्यूज को कतई न फैलाए, जिससे कोई असामान्य स्थिति पैदा हो। राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने पर कानूनी कार्रवाई करने का भी प्रावधान है।

जैलाफ में अंतरराष्ट्रीय नर्सिज दिवस मनाया, फ्लोरेंस को किया नमन

- आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यक्रम का किया गया आयोजन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। फ्लोरेंस नाइटिंगेल को नमन करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

गांव जैलाफ आंगनबाड़ी केंद्र में सोमवार को अन्तर्राष्ट्रीय नर्सिज दिवस के अवसर पर आधुनिक नर्सिंग की अग्रदूत महान मानवतावादी फ्लोरेंस नाइटिंगेल के जन्मदिवस पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी स्मृति को यथोचित मान सम्मान से याद किया। दया व सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल द लेडी विद द लैम्प के नाम से प्रसिद्ध हैं। उपचार से ज्यादा सावधानी जरूरी यह विचार उनके द्वारा ही प्रतिष्ठित हुआ।

सामाजिक कार्यकर्ता छाजूराम रावत ने नर्सिंग कर्मियों की सुविधाओं व समस्याओं के निदान व सरकारी अस्पतालों को सुदृढ़ व विस्तार कर सबको निःशुल्क इलाज व दवाइयां सहित जांच की सुविधा के दायरे में लाने की आवश्यकता जताई। आशा वर्कर किरण ने कहा कि आशा वर्कर नौनिहालों व गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण व कुपोषण से बचाने का सराहनीय कार्य कर रही है। इस मौके पर छाजूराम रावत, आशा वर्कर किरण, त्रिलोक चन्द पंच, कविता, मंजू, रामप्यारी, जयमाला मौजूद रहे।

मंडी अटेली। वैदिक पूजन के साथ कलश यात्रा निकालने हुए। फोटो : हरिभूमि

गुरु गोरखनाथ के प्रकट दिवस पर सिहमा में हवन और वैदिक मंत्रोचारण के साथ निकाली कलश यात्रा

मंडी अटेली। सिहमा में शिव अवतारी गुरु गोरखनाथ के हवन यज्ञ का संकल्प करने के साथ ही कलश यात्रा का पूजन भी वैदिक मंत्रों के बीच हुई। गुरु गोरखनाथ के पूजन करने के बाद कलश में जल भरा गया तथा सैकड़ों महिलाएं सिर पर यह कलश लेकर निकल पड़ी। यह कलश यात्रा गाजे-बाजे के साथ यात्रा निकाली गई। इस मौके पर यह कलश यात्रा सिहमा की मुख्य फिरनी से होते हुए गोगाजी मंदिर सिहमा पर आकर समाप्त हो गई। इस मौके पर रमनसिंह, रणवीर, रामकिशन, स्वरुप नाथ महाराज, भोलाराम, कृष्ण, संदीप भगत, दीपक, सत्यप्रकाश, अभिषेक, विनय, लक्की, ललित, पांडे, साहिल, कुलदीप, अन्नु, अरविन्द, हनी, सोनू, दीपक सैन, हरीश व जसवंत आदि भी उपस्थित रहे।

भारत-पाकिस्तान युद्ध की संभावित विभीषिका से बचाव पर कार्यशाला

- राजकीय कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय में वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थियों में सुरक्षा के प्रति सजगता एवं राष्ट्रीय कर्तव्यों के निर्वहन के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. पूर्ण प्रभा ने की। अपने संबोधन में उन्होंने छात्र-छात्राओं को देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत करते हुए कहा कि राष्ट्र की सेवा केवल सीमाओं पर ही नहीं, अपितु समाज में सजग नागरिक बनकर भी की जा सकती है।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी कैप्टन प्रोफेसर डॉ. शमशेर सिंह ने विशेष रूप से युद्ध जैसी आपात स्थितियों में नागरिकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। एनएसएस प्रभारी एवं रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. पविता यादव ने भी विचार व्यक्त किए।

राजस्थान रीट परीक्षा पास करने पर जताई खुशी

अभिषेक | काजल | सुचित्रा

नारनौल। यदुवंशी डिग्री कॉलेज में अध्ययनरत अभिषेक पुत्र सुरेश, काजल राठी पुत्री शक्ति सिंह, सुचित्रा पुत्री रामकिशन के राजस्थान रीट एग्जाम उत्तीर्ण करने पर कॉलेज प्रांगण में मिठाई वितरण कर जताई खुशी। रीट परीक्षा उत्तीर्ण छात्र छात्राओं का कहना है कि यदुवंशी कॉलेज में प्रवेश लेने के बाद पाठ्यक्रम अध्ययन के साथ एक्स्ट्रा कम्पिट्सन की, जो तैयारी व लाइब्रेरी में पुस्तकों की व्यवस्था के कारण यह फायदा मिला और प्रथम प्रयास में रीट के एग्जाम को उतीर्ण किया। विद्यार्थियों ने अपने मन की बात को उजागर करते हुए चेयरमैन का आभार व्यक्त किया। यदुवंशी एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने बधाई देते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संस्था निदेशक सुरेश यादव, डॉ. प्रदीप यादव, प्राचार्य बजरंग लाल, उप प्राचार्या सोनल यादव आदि ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आजम नगर में भी मनाया नर्सिंग दिवस

- मेडिकल सेवा में डॉ. गौरव ने बताया नर्सिंग स्टाफ का महत्व।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। जीके सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस मनाते हुए।

नर्स केवल उपचारक ही नहीं, बल्कि एक शिक्षक, शोधकर्ता और बेहतर स्वास्थ्य सेवा नीतियों की समर्थक हैं। उक्त विचार जीके सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल आजम नगर के प्रबंध निदेशक डॉ. गौरव खोश्या ने नर्स दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि हम आज नर्सों के असाधारण योगदान को सम्मानित करने के लिए एकत्रित हुए हैं। यह दिन हर साल 12 मई को मनाया जाता है जो नर्सिंग की महान संस्थापक फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती है। उनके समर्पण और नेतृत्व ने लाखों लोगों को प्रेरित किया और नर्सिंग को एक सम्मानित पेशे के रूप में स्थापित किया। नर्सों को स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ माना जाता है क्योंकि वे रोगियों को न केवल शारीरिक उपचार प्रदान करती हैं बल्कि उनकी मानसिक और भावनात्मक देखभाल भी सुनिश्चित करती हैं। नर्सों का कार्य केवल अस्पतालों और क्लीनिकों तक सीमित नहीं है। वह घरों में जाकर भी रोगियों का उपचार करती हैं। किसी भी रोगी के इलाज में एक नर्स का योगदान अनमोल और अपरिहार्य होता है।

इस मौके पर मोहित खोश्या, डॉ. कोमल यादव, डॉ. विवेक यादव, डॉ. राजकुमार चौधरी, डॉ. नेहा यादव, रजनी, कन्चन, राधा, संगीता, ज्योति, खुशबू व मुस्कान आदि उपस्थित रहे।

कराटे प्रतियोगिता में सूरज स्कूल के खिलाड़ियों ने जीते 18 गोल्ड

- जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जिले के 150 से अधिक खिलाड़ियों ने लिया भाग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सूरज स्कूल के होनहार खिलाड़ियों ने एकबार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हाल ही में आयोजित जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना का परिचय देते हुए 18 स्वर्ण पदक अपने नाम किए। यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह खिलाड़ियों की कठिन मेहनत, लगन और समर्पण का परिणाम भी है। प्रतियोगिता में जिलेभर के 150 से अधिक, विभिन्न विद्यालय के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया, लेकिन सूरज स्कूल के खिलाड़ियों ने सभी को पीछे छोड़ते हुए अपनी श्रेष्ठता साबित की। प्रतियोगिता के दौरान छात्रों ने कराटे के विभन्न आयु व भार वर्गों में भाग लिया और सभी वर्गों में बेहतरीन तकनीक, अनुशासन और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों में मुख्यतः हर्ष, मंयक, अविरल, यश, इशांत, आदित्य, दिपांशु, चिराग व आदित्य रहें।

छात्राओं ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिनमें अंशु, काम्या, गरिमा, विधी, दिपांशु, अंशु, गुंजन, गरिमा, गुंजन शामिल हैं। प्राचार्या ने कहा कि हमारे छात्र न केवल शिक्षा में बल्कि खेलों में भी लगातार उत्कृष्टता प्राप्त कर रहे हैं।

यह सफलता हमारे खेल प्रशिक्षकों की मेहनत और छात्रों की निष्ठा का प्रतिफल है। खेल प्रभारी ने बताया की यह खिलाड़ी आने वाले राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी भाग लेगे।

विद्यालय स्टाफ ने विजेता छात्रों और उनके अभिभावकों को इस गौरवशाली उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

व्यापारी से 2 करोड़ की रंगदारी मांगने का दूसरा आरोपी काबू

चरखी दादरी। शहर निवासी प्रवीन गर्ग से दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने वाले दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। जिसकी पहचान राजस्थान के पिलानी निवासी हर्ष कुमार के रुप में हुई है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी दादरी निवासी विकास मिश्रा को रविवार को गिरफ्तार कर लिया था। ज्ञात रहे कि शहर निवासी प्रवीन गर्ग से कॉल कर दो करोड़ की रंगदारी मांगी गई थी। उसके पास अलग अलग नंबरों से कई बार कॉल आए थे। आरोपी ने प्रवीन गर्ग के व्हाट्सएप पर पिस्तौल लहराते हुए एक वीडियो डाली और रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया था। जिसमें पुलिस ने दादरी के झज्झर घाटी निवासी अमित मिश्रा को गिरफ्तार किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग ने बनाई साझा रणनीति

लिंगानुपात सुधारने को फील्ड में उतरेगा विभागीय अमला

- कुछ गांवों में लिंगानुपात कम पाए जाने पर बैठक में जताई चिंता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। बैठक लेते स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दौचाना ने अपने क्षेत्र के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दौचाना, छिलरो, बिगोपुर, बलाहा कलां, रामपुरा की सभी आशा सहयोगिनियों व संबंधित प्रभावित क्षेत्रों के महिला एवं बाल विकास विभाग से आंगनबाड़ी वर्कर्स व पर्यवेक्षकों की बैठक बुलाई। जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कुछ गांवों में लिंगानुपात सामान्य से कम पाए जाने पर गहन चिंतन किया गया और संबंधित गांवों की आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर को लिंगानुपात सामान्य बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। जिन गांवों में कम लिंग अनुपात है वो गांव क्रमशः बदोपुर, भांखरी, मक्सुसपुर, मेई, दनचोली, पवेरा, नापला, रामबास, करोली, निजामपुर, घाटासेर, छिलरो, धौलेड़ा, महरमपुर, हुडिना, लहरोदा, सिलारपुर महता, आजमनगर, मंडलाना, ढाणी किरारोद शामिल हैं।

उक्त गांवों में एसएमओ डा.. अंजलि सैनी ने जन जागरण अभियान शुरू करने तथा आशा वर्कर, आंगनबाड़ी वर्कर, सुपरवाइजर, सरपंच पंच व गांव के गणमान्य लोगों के मध्य जाकर उन्हें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के प्रति जागरूक करने और प्रेरित करने के निर्देश दिए। अभियान को सफल बनाने के लिए आशा वर्कर व आंगनबाड़ी सुपरवाइजर को उनसे संबंधित गांवों की गर्भवती महिलाओं की सूची दी गई, जिनके पहले लड़की है और अभी वो गर्भवती हैं। अभियान के तहत ऐसी गर्भवती महिलाओं को सहेली बनाते हुए उनकी तब तक देखभाल करनी है, जब तक उन महिलाओं की कुशल प्रसुति नहीं हो जाती। इसके लिए संबंधित कार्यकर्ताओं व अधिकारियों की जिम्मेवारी दी दी गई है।

इस मौके पर पीएचसी दोचाना से डॉ. मुकुल, प्रवीण शर्मा, सरोज, अनिता, सुशीला, अनिता, सुनीता, हेमलता, सुमन, पूनम आदि मौजूद रहे।